INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI(2nd lang.)	Department: Hindi	
Lesson - 5 -'Vn Ke Marg Main'	Topic: Questions , answers ,word meanings and grammar	Note: Pl. write in your note book

पाठ - **5** - वन के मार्ग में

NOTE- You should not write poem and its explanation in your note book .It is only for your help to understand the poem in a better way.

पाठ- 3 वन के मार्ग में (कविता) सवैया

1- पुर तें निकसी रघुबीर-बधू ,धरि धीर दए मग में डग द्वै।
झलकीं भरि भाल कनी जल की,पुट सूखि गए मधुराधर वै।।
फिरि बूझति हैं,"चलनो अब केतिक,पर्नकुटी करिहौं कित ह्वै?"
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारू चलीं जल च्वै।।

1 सवैया - व्याख्या:- प्रस्तुत सवैये में तुलसीदास जी ने सीता जी के वन गमन अर्थात वन की ओर जाने के समय का बहुत मार्मिक वर्णन किया है। नगर से निकलते ही थोड़ी दूर चलने के बाद ही राम की पत्नी सीता थक जाती हैं। उनके माथे पर पसीना आने लगता है तथा उनके कोमल होंठ सूख जाते हैं। वे राम से पूछती हैं कि अभी और कितनी दूर चलना है तथा पर्णकुटी कहाँ बनानी है। उनकी इस व्याकुलता या बेचैनी को देखकर श्री राम की आँखों में आँसू आ जाते हैं।

2-जल को गए लक्खनु,हैं लरिका परिखौ पिय ! छाँह घरीक ह्वै ठाढ़े।
पोंछि पसेउ बयारि करौं अरु पायँ पखारिहौं भूभुरि-डाढ़े।।
तुलसी रघुवीर प्रियाश्रम जानि कै बैठि बिलंब लौं कंटक काढ़े।
जानकीं नाह को नेह लख्यौ,पुलको तनु , बारि बिलोचन बाढ़े।।

2-व्याख्या :-प्रस्तुत सवैये में तुलसीदास जी ने सीता और राम के वन गमन अर्थात वन की ओर जाने के समय का वर्णन किया है।सीता जी बेचैन होकर राम से कहती है कि जल लाने गए लक्ष्मण तो बालक ही हैं उन्हें समय लग जाएगा ।उनके आने तक आप किसी वृक्ष की छाया में थोड़ी देर खड़े होकर उनकी प्रतीक्षा कर लें।मैं आपके पसीने को पोंछकर हवा कर देती हूँ ।मैं गरम रेत से तपे हुए आपके पैरों को भी धो देती हूँ । श्री राम सीता के बेचैनी से भरे वचनों को सुनकर कुछ देर पेड़ की छाया में बैठकर उनके पैरों से काँटे निकालने लगते हैं।सीता उन्हें प्रेम से देखती हैं और मन ही मन प्रियतम के इस स्नेह को देखकर पुलकित हो जाती हैं और उनकी आँखों से आँसू बहने लगते हैं।

Note- No need have Write all the word meaning in your note book. It is for your help to understand the poem in a better way. Write any 20 word meanings your note book.

शब्दार्थ -

1-पुर ते- नगर से- from the city
2- मधुराधर-मधुर होंठ - soft lips
3- निकसी -निकली- came out
4 - बुझति-पूछती -asked
5-रघुबीर-बधू-राम की पत्नी (सीता) –Rama's wife Sita
6 - चलनो -चलना - walks
7-धरि- रखकर- to keep
8 - करिहौं -कहाँ बनाओगे- where will you construct
9 -पर्नकुटी-पत्तों की कुटिया- hut made out of leaves
10- पुट- होंठ- lips
11-सुखी -सूख - dry
12 -जल - पानी- water
13-धीर-धीरज -patience
14 - कित -कहाँ- where
15- दए - दिए -keep
16 - तिय-पत्नी- wife
17-मग में - मार्ग में- on the way
18 - लखि-देखकर - saw
19- डग- कदम -steps
20 - आतुरता- बेचैनी- restless
21 - द्वै- दो- two
22 - पिय- प्रियतम- husband
23 -झलकी- दिखाई दी- to see
24 - अँखियाँ -आँखें- eyes
25 - भाल - माथा- forehead
26 - चारू-सुंदर- beautiful
27- जल च्वै - आँखों से आँसू बहना- tears falling from the eyes
28 -लक्खन-लक्ष्मण- Lakshman
29- जानकीं-सीता- Sita
30 -लरिका- बालक- boy ,लड़का
31- नाह- नाथ, प्रियतम- husband
32 परिखौ- इंतजार करो- to wait
33 नेह-स्नेह ,प्यार- love
34 छाँह- छाया- shadow
35 लख्यौ-देखकर -saw
36- घरीक- एक घड़ी, कुछ समय- some time
37- पुलको -पुलकित हो जाना, बहुत प्रसन्न हो जाना- to become joyful
38- हवै ठाढ़े- खड़े होकर- to stand
39- तनु -शरीर- body
40-पोंछि- पोंछ कर- wipe away
41- बारि- जल- water
42- पसेउ- पसीना-sweat
43 - बयारि- हवा air
44- बिलोचन-आँखें eyes
45-पायँ - पैर feet
46- बाढ़े- भर आना filled with
47-पखारिहौं -धोऊँगी wash
48- भूभुरी - डाढ़े - रेत बहुत गर्म है sand is too hot
49-विलंब लौं - देर तक -for a long time
50-कंटक- काँटे - thorns

Note- Please write all the Question and answers in your note book.

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. राम और सीता कहाँ जाने के लिए निकले थे ?

उत्तर - राम और सीता वन जाने के लिए निकले थे |

प्रश्न 2. किसके पैरों में काँटे चुभ गए थे ?

उत्तर - सीता के पैरों में काँटे चुभ गए थे |

प्रश्न 3. लक्ष्मण कहाँ गए थे ?

उत्तर - लक्ष्मण पानी लाने गए थे |

प्रश्न 4. श्री राम की आँखों में आँसू क्यों आ गए ?

उत्तर - श्री राम की आँखों में आँसू सीता की बैचेनी देखकर आ गए |

प्रश्न 5 :- पर्णकुटी किस चीज से बनती है?

उत्तर- पर्णकुटी पत्तों से बनती है।

प्रश्न – 6 राम रुककर क्या करते हैं?

उत्तर – राम रुककर सीता के पैरों से काँटे निकालते हैं।

प्रश्न -7 कवि और कविता का नाम लिखिए ।

उत्तर - इस कविता का नाम है 'वन के मार्ग में' इसके कवि हैं "तुलसीदास" जी ।

प्रश्न – 8 राम और सीता के साथ वन में कौन गया था?

उत्तर – राम और सीता के साथ में वन में लक्ष्मण गए थे।

प्रश्न – 9 सीता किसकी पुत्री थी?

उत्तर – सीता जनकपुरी के राजा जनक की पुत्री थीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1- नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता की क्या दशा हुई ?

उत्तर - नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने पर ही सीता थक गई और पसीने से लथपथ हो गई ,उसके पैरों में काँटे चुभ गए और होंठ प्यास से सूखने लगे |

प्रश्न 2- 'अब और कितनी दूर चलना है, पर्णकुटी कहाँ बनाइएगा 'किसने किससे पूछा और क्यों?

उत्तर. - अब और कितनी दूर चलना है , और पर्णकुटी कहाँ बनानी है- यह बात सीता जी ने राम जी से पूछी , क्योंकि वे बहुत थक गई थीं और उन्हें बहुत प्यास भी लग रही थी ।

प्रश्न 3- राम ने थकी हुई सीता की क्या सहायता की ?

उत्तर- राम थकी हुई सीता के पैरों से देर तक अपने हाथ से काँटे निकालते रहे,ताकि सीता को आराम करने का ज्यादा से ज्यादा समय मिल जाए और उनकी थकान कम हो जाए |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न 1- पाठ के आधार पर वन के मार्ग का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर- प्रस्तुत कविता में तुलसीदास जी ने तब का प्रसंग बताया है , जब श्री राम, लक्ष्मण और सीता जी वनवास के लिए निकले थे,और उनके लिए वन का मार्ग काँटों से भरा था | इस तरह के मार्ग पर सँभलकर चलना पड़ता था |रहने ले लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं था | खाने की वस्तुएँ नहीं थी और पानी भी दूर तक कहीं नज़र नही आता था | चारों तरफ़ सन्नाटा था |

प्रश्न 2- वन के मार्ग में सीता को कौन-कौन सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर- सीता एक राजकुमारी थीं वे बचपन से महलों में ही रही थीं | उन्हें अधिक दूर तक चलने की आदत नहीं थी इसलिए वन के मार्ग में सीता जी को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जैसे वे चलते-चलते थक गईं और उनके माथे पर पसीना आने लगा। प्यास से उनके होंठ भी सूखने लगे तथा नंगे पाँव होने के कारण उनके पैरों में काँटे भी चुभ गए थे।

व्याकरण भाग :-

प्रश्न 1- निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कर के फिर से लिखिए |

1 - शाम चार बजे जाऊंगा स्टेशन मैं।

उत्तर - मैं शाम चार बजे स्टेशन जाऊँगा।

2 - यहाँ शुद्ध गाय का घी मिलता है।

उत्तर- यहाँ गाय का शुद्ध घी मिलता है।

3 - बच्चे को प्लेट में रखकर मिठाई दो।

उत्तर - प्लेट में मिठाई रखकर बच्चे को दो।

4 - मेरे को किताब चाहिए।

उत्तर- मुझे किताब चाहिए।

5 - घोड़े के पास चार पैर होते हैं।

उत्तर- घोड़े के चार पैर होते हैं।

6 - बच्चे छत में खेल रहे हैं।

उत्तर- बच्चे छत पर खेल रहे हैं।

7 - लड़का ने पत्र लिखा।

उत्तर- लड़के ने पत्र लिखा।

8- तुम तुम्हारी किताब पढ़ो।

उत्तर- तुम अपनी किताब पढ़ो।

प्रश्न 2. निम्नलिखित मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए |

1 - ऊँचा सुनना - (कुछ बहरा होना)

वाक्य-कृपया जोर से बोलिए रामलाल जी थोड़ा ऊँचा सुनते हैं।

2 - मक्खन लगाना (अर्थ- चापलूसी करना)

वाक्य-मैं साफ़ बात करती हूँ, मुझे मक्खन लगाने की आदत नहीं है।

3 खून खौलना- (बहुत क्रोध आना)

वाक्य-जब भी मैं गरीबों पर अत्याचार होते हुए देखती हूँ त मेरा खून खौलने लगता है।

4 पेट में चूहे कूदना (अर्थ- बहुत भूख लगना)

वाक्य- सुबह से कुछ नहीं खाया है, इसलिए तो मेरे पेट में चूहे कूद रहे हैं।

5 - दम फूलना - (हाँफना)

वाक्य- दौड़ते - दौड़ते तो मेरा दम फूलने लगा ।

6 - सिर पर पाँव रखकर भागना (अर्थ- बहुत तेज भागना)

वाक्य- पुलिसवाले को देखते ही चोर सिर पर पाँव रख कर भाग गया।

प्रश्न -3 क) निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए:-

1- महाराणा प्रताप का घोड़ा चेतक था।	महाराणा प्रताप घोड़ा चेतक
2- शेर जंगल का राजा है।	शेर जंगल राजा
3- शाहजहाँ ने आगरा में ताजमहल बनवाया।	शाहजहाँ आगरा ताजमहल
4- - इंद्र के हाथी का नाम ऐरावत था।	इंद्र हाथी ऐरावत
5- दिल्ली भारत की राजधानी है।	दिल्ली भारत राजधानी

ख) रिक्त स्थानों में उचित संज्ञा शब्द भरिए :-

1 - बुर्ज खलीफा -------- में है।	दुबई
2 - मीरा ने प्लास्टिक की -------खरीदी है।	बाल्टी
3 - मेरे देश का नाम-------- है।	भारत
4 - हिमालय सबसे ऊँचा--------- है ।	पहाड़
5 - मैंने जंगल में शेर, हाथी, चीता और ----- आदि जानवर देखे ।	भालू

****